|| श्रीहरिः ||

जगद्गुरु श्रीमद्वल्लभाचार्य के सम्प्रदाय प्रमाण

उत्सव तथा व्रतन की टीप

विक्रम संवत् २०८२ कालनाम संवत्सरे ईस्वी सन् 2025-2026

श्रीवल्लभाब्द ५४७ – ५४८ शालिवाहन शके १९४७ विश्वावसु नाम संवत्सरे

जगद्गुरुःमहाप्रभुःश्रीमद्वल्लभाचार्य वंशावतंस

गौ-ब्राम्हण प्रतिपाल वापीनरेश

गोस्वामि १०८ श्रीनीरजकुमारजी माधवरायजी महाराजश्री

की आज्ञासूं प्रकाशित

प्रकाशक : श्रीबलभद्र विद्या भण्डार – भक्तिसेतुः -वापी

जगद्गुरुःमहाप्रभुःश्रीमद्वल्लभाचार्य वंशावतंस गौ-ब्राम्हण प्रतिपाल

“व्रजजन सर्वस्व गोपीजनवल्लभ प्रभु:श्रीबालकृष्णलाल एवं रेवतीवल्लभ श्रीदाऊदयालप्रभु:”

गोस्वामि १०८ श्रीनीरजकुमारजी माधवरायजी महाराजश्री के माथे बिराजमान

भक्तिसेतुः - वापी

वल्लभाब्द ५४७			चैत्र शुक्लपक्ष: विक्रमाब्द २०८२
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	रवि	30	मार्च, सन् 2025 संवत्सरोत्सव: । इष्टि: ।
२	सोम	31	गणगौरी । (चूंदड़ी गणगौर) तीज को क्षय होयवें सूं आज ।
४	मंगल	1	अप्रेल, पंचरंगी लहरियाँ (हरि गणगौर)
५	बुध	2	गुलाबी गणगौर ।
६	गुरु	3	श्रीगुसाँईजी के 6लालजी श्रीयदुनाथजी को उत्सव । (१६१५) केसरी गणगौर एवं यमुना छट्ठ ।
७	शुक्र	4	
८	शनि	5	
९	रवि	6	रामनवमी व्रतम् ।
१०	सोम	7	रामनवमी व्रत की पारणा ।
११	मंगल	8	कामदा एकादशी व्रतम् । श्रीवल्लभाचार्यचरण के उत्सव की बधाई बैठे ।
१२	बुध	9	
१३	गुरु	10	
१४	शुक्र	11	
१५	शनि	12	

वल्लभाब्द ५४७			वैशाख (गु. चैत्र) कृष्णपक्ष: विक्रमाब्द २०८२
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	रवि	13	इष्टि: |
१	सोम	14	मेष सन्क्रान्ति:| सतुआ गोपीवल्लभ या राजभोग में | पुण्यकाल आज सूर्योदय सूं मध्यान्ह पर्यन्त है| तामे भी सूर्योदय के पास के २ घंटा अति मुख्य पुण्यकाल है | श्रीकूं भोग धरे पीछे दान श्राद्धादि करने | अब के यह सन्क्रान्ति १ रवि कूं रात्रि के ३ बजके २२ मिनिट पर बैठी है | तासूं पुण्यकाल आज मान्यो जायेगो |
२	मंगल	15	
३	बुध	16	
४	गुरु	17	
५	शुक्र	18	
६	शनि	19	
७	रवि	20	द्वि.नि.श्रीविट्ठलनाथजी को पाटोत्सव: |
८	सोम	21	
९	मंगल	22	
१०	बुध	23	
११	गुरु	24	वरूथिनी एकादशी व्रतम् | श्रीवल्लभाचार्यजी (श्रीमहाप्रभुजी) को उत्सव | (१५३५) श्रीवल्लभाब्द ५४८ को प्रारम्भ: |
१२	शुक्र	25	
१३	शनि	26	
३०	रवि	27	इष्टि: |

वल्लभाब्द ५४८			वैशाख शुक्लपक्ष: विक्रमाब्द २०८२
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	सोम	28	इष्टि: ।
२	मंगल	29	श्रीमन्मथरायजी गादी बिराजे ।
३	बुध	30	अक्षय तृतीया जलकुम्भदानम् , चन्दन यात्रा त्रेतायुगादि ।
४	गुरु	1	मई । श्रीगोवर्धनेशजी महाराज को उत्सव (मोटा-मंदिर) ।
५	शुक्र	2	
६	शनि	3	
७	रवि	4	
८	सोम	5	
९	मंगल	6	
१०	बुध	7	
११	गुरु	8	मोहिनी एकादशी व्रतम् । आम को छप्पनभोग उत्सव –वापी ।
१२	शुक्र	9	
१३	शनि	10	श्रीबालकृष्णलाल प्रभु को पाटोत्सव (मोटा मन्दिर – मुम्बई) ।
१४	रवि	11	श्रीनृसिंह जयन्ती व्रतम् ।
१५	सोम	12	श्रीमाधवरायजी महाराज तात उत्सव ।

वल्लभाब्द ५४८		ज्येष्ठ (गु. वैशाख) कृष्णपक्षः विक्रमाब्द २०८२
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**

तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	मंगल	13	इष्टि:।
२	बुध	14	श्रीगोकुलनाथजी तातजी महाराज गादी बिराजे।
३	गुरु	15	कली के श्रृंगार को आरम्भः।
४	शुक्र	16	
५	शनि	17	
५	रवि	18	
६	सोम	19	
७	मंगल	20	
९	बुध	21	
१०	गुरु	22	
११	शुक्र	23	अपरा एकादशी व्रतम्।
१२	शनि	24	श्रीदीक्षितजी महाराज तात उत्सव।
१३	रवि	25	आज प्रातः ६ बजके ३१ मिनिट सूं ले के ज्येष्ठ शुक्ल १२ रवि कूं प्रातः ७ बजके १८ मिनिट तक सूर्य कूं रोहिणी नक्षत्र है, तासूं इन दिनन में श्री के अंग में चन्दन धरावनो प्रशस्त है।
१४	सोम	26	श्रीगोविन्दरायजी बावासाहेब को जन्मदिन।
३०	मंगल	27	इष्टि:।

वल्लभाब्द ५४८		ज्येष्ठ शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०८२
तिथि	वार	दि.	उत्सव
२	बुध	28	
३	गुरु	29	
४	शुक्र	30	
५	शनि	31	श्री... के नाव को मनोरथ।
६	रवि	1	जून।
७	सोम	2	
८	मंगल	3	
९	बुध	4	
१०	गुरु	5	श्रीगंगादशमी दशहरा, श्रीयमुनाजी को उत्सव माने है।
११	शुक्र	6	
१२	शनि	7	निर्जला एकादशी व्रतम्।
१२	रवि	8	
१३	सोम	9	
१४	मंगल	10	स्नान को जल भरनो सांझ कूं जल को अधिवासन करनो।
१५	बुध	11	ज्येष्ठाभिषेक (स्नान यात्रा)।

वल्लभाब्द ५४८		आषाढ़ (गु. ज्येष्ठ) कृष्णपक्ष:	विक्रमाब्द २०८२
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	गुरु	12	इष्टि: ।
२	शुक्र	13	
३	शनि	14	
४	रवि	15	
५	सोम	16	
६	मंगल	17	
७	बुध	18	
८	गुरु	19	
९	शुक्र	20	
१०	शनि	21	
१२	रवि	22	योगिनी एकादशी व्रतम् ।
१३	सोम	23	
१४	मंगल	24	
३०	बुध	25	

वल्लभाब्द ५४८			आषाढ़ शुक्लपक्ष: विक्रमाब्द २०८२
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	गुरु	26	इष्टि:|
२	शुक्र	27	
३	शनि	28	रथयात्रा | श्रीमथुरेशजी महाराज तात उत्सव |
४	रवि	29	प्रभु श्रीबालकृष्णलाल - श्रीदाऊदयाल प्रभु पाटोत्सव –वापी |
५	सोम	30	श्रीमन्मथरायजी महाराजश्री को जन्मदिन | श्रीमुकुन्दरायजी तात उत्सव | तृ.नि.श्रीद्वारकाधीशजी को पाटोत्सव: |
६	मंगल	1	जुलाई | कसूम्बा छठ | षष्ठी पण्डगू |
७	बुध	2	
८	गुरु	3	
९	शुक्र	4	
१०	शनि	5	बैंगन दशमी |
११	रवि	6	देवशयनी एकादशी व्रतम् | चातुर्मास्य नियमारम्भ:| कली के श्रृंगार पूर्ण |
१२	सोम	7	
१३	मंगल	8	
१४	बुध	9	
१५	गुरु	10	गुरुपूर्णिमा | पर्वात्मक उत्सव चातुर्मास्य नियमारम्भ:| एकादशी कूं न भयो होय तो द्वादशी अथवा पूर्णिमा के दिन करनो तामे पूर्णिमा मुख्य |

वल्लभाब्द ५४८			श्रावण (गु. आषाढ़) कृष्णपक्ष: विक्रमाब्द २०८२
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	शुक्र	11	इष्टि: ।
२	शनि	12	हिन्डोलारम्भ: । १ शुक्र कूं वैधृति योग होयवे सूं आज । प्रभु आज सूं दशमी तांई सुरंग हिन्डोला झूलें ।
३	रवि	13	
४	सोम	14	च.नि.श्रीगोकुलनाथजी तथा पं.नि.श्रीगोकुलचन्द्रमाजी को पाटोत्सव: ।
५	मंगल	15	
६	बुध	16	
७	गुरु	17	
८	शुक्र	18	जन्माष्टमी की बधाई बैठे ।
९	शनि	19	
१०	रवि	20	
११	सोम	21	कामिका एकादशी व्रतम् । मनोरथ के हिन्डोला प्रारम्भ ।
१२	मंगल	22	
१४	बुध	23	
३०	गुरु	24	हरियाली अमावस ।

वल्लभाब्द ५४८		श्रावण शुक्लपक्षः	विक्रमाब्द २०८२
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शुक्र	25	इष्टिः।
२	शनि	26	
३	रवि	27	ठकुरानी तीज मधुस्रवा।
४	सोम	28	
५	मंगल	29	नाग पंचमी।
६	बुध	30	
७	गुरु	31	
८	शुक्र	1	अगस्त।
८	शनि	2	
९	रवि	3	श्रावण ९ को बगीचा।
१०	सोम	4	
११	मंगल	5	पुत्रदा एकादशी व्रतम्। प्रभुन कूं पवित्रा धरने सायं उत्थापन में।
१२	बुध	6	गुरून कूं पवित्रा धरावने। श्रीगोपीनाथजी महाराज तात उत्सव।
१३	गुरु	7	चतुरानागा उत्सव।
१४	शुक्र	8	श्रीविट्ठलेशरायजी महाराज को उत्सव (१६५७)।
१५	शनि	9	रक्षाबन्धनं प्रातः शृंगार में, श्रीगुसांईजी के ज्येष्ठ पुत्र श्रीगिरधरजी के लालजी श्रीदामोदरजी महाराज को उत्सव (१६३२)। आपस्तम्भ, हिरण्य केशीय, बोधायन काण्व माध्यन्दिन प्रभृति, सर्व ऋगवेदीन, सर्व यजुर्वेदीन तथा अथर्ववेदीन की श्रावणी।

वल्लभाब्द ५४८			भाद्रपद (गु. श्रावण) कृष्णपक्ष: विक्रमाब्द २०८२
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	रवि	10	इष्टि: | हेम हिंडोला |
२	सोम	11	हिन्दोला विजय सायं संध्या में |
३	मंगल	12	कज्जली तीज |
४	बुध	13	
६	गुरु	14	
७	शुक्र	15	शयन में षष्ठी को उत्सव | विष्णुस्वामि प्राकट्योत्सव |
८	शनि	16	जन्माष्टमी व्रतम् |
९	रवि	17	नन्द महोत्सव | श्रीकृष्णजीवनजी महाराज तात उत्सव |
१०	सोम	18	
११	मंगल	19	अजा एकादशी व्रतम् |
१२	बुध	20	
१३	गुरु	21	
१४	शुक्र	22	काका वल्लभजी को उत्सव (१७०३) |
३०	शनि	23	कुशग्रहणी अमावस, इष्टि: |

वल्लभाब्द ५४८			भाद्रपद शुक्लपक्षः विक्रमाब्द २०८२
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	रवि	24	राधाष्टमी की बधाई।
२	सोम	25	
३	मंगल	26	सामवेदीन की श्रावणी।
४	बुध	27	गणेश चतुर्थी।
५	गुरु	28	ऋषि पंचमी। श्रीचन्द्रावलीजी को उत्सव।
६	शुक्र	29	बलदेव छठ। श्रीललिताजी को उत्सव।
७	शनि	30	श्रीविशाखाजी को उत्सव।
८	रवि	31	राधाष्टमी – श्रीस्वामिनीजी को उत्सव।
९	सोम	1	सितम्बर। श्रीमद्भागवत सप्ताह पारायण प्रारम्भ।
१०	मंगल	2	
११	बुध	3	परिवर्तिनी एकादशी व्रतम्। दान एकादशी, प्रभु श्रीकुँवरलाडिलेलाल को पाटोत्सव। लेखवारे पुरुषोत्तमजी को उत्सव (१७१४)।
१२	गुरु	4	श्री में वामन द्वादशी व्रतम्। श्रीमद्गोकुलनाथजी तातजी महाराज को उत्सव।
१३	शुक्र	5	
१४	शनि	6	
१५	रवि	7	श्रीमद्भागवत पारायण सम्पूर्ण। सांझी को आरम्भ। खग्रास चंद्रग्रहण ताको निर्णय पृ. 25-26 पर लिख्यो है।

वल्लभाब्द ५४८			आश्विन (गु. भाद्रपद) कृष्णपक्ष: विक्रमाब्द २०८२
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	सोम	8	श्राद्धपक्ष को आरम्भ, ताको निर्णय पृष्ठ 27 पर एवं श्राद्धपक्ष को संकल्प पृष्ठ 28 पर लिख्यो है । इष्टिः ।
२	मंगल	9	
३	बुध	10	
४	गुरु	11	
५	शुक्र	12	श्रीहरिरायजी को उत्सव (१६४७) ।
६	शनि	13	
८	रवि	14	श्रीगोपीनाथ प्रभुचरण के पुत्र श्रीपुरुषोत्तमजी को उत्सव (१५८७) ।
९	सोम	15	
१०	मंगल	16	श्रीदीक्षितजी बावासाहेब जन्मदिन (मिथुनरायजी) ।
११	बुध	17	इन्दिरा एकादशी व्रतम् (महादान) ।
१२	गुरु	18	श्रीमहाप्रभुजी के पुत्र प्रभुचरण श्रीगोपीनाथजी को उत्सव (१५६७) ।
१३	शुक्र	19	श्रीगुसाँईजी के 3लालजी श्रीबालकृष्णजी को उत्सव(१६०६)।
१४	शनि	20	
३०	रवि	21	सर्वपितृ अमावस, कोट की आरती और सांझी की समाप्ति ।

वल्लभाब्द ५४८			आश्विन शुक्लपक्ष: विक्रमाब्द २०८२
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	सोम	22	इष्टिः । नवरात्रारम्भः । मातामह श्राद्ध ।
२	मंगल	23	
३	बुध	24	
३	गुरु	25	
४	शुक्र	26	
५	शनि	27	
६	रवि	28	
७	सोम	29	सरस्वती पूजनारम्भः ।
८	मंगल	30	
९	बुध	1	अक्टूबर ।
१०	गुरु	2	दशहरा (विजयादशमी) । श्रीगिरधरजी के प्रथम लालजी श्रीमुरलीधरजी को उत्सव । सरस्वती विसर्जनम् प्रातः ९ बजके १४ मिनिट पश्चात् अथवा ११ शुक्र कूं प्रातः ९ बजके ३५ मिनिट सूं पूर्व ।
११	शुक्र	3	पाशांकुशा एकादशी व्रतम् ।
१२	शनि	4	
१३	रवि	5	ष.नि.श्रीबालकृष्णजी को पाटोत्सवः ।
१४	सोम	6	शरद पूर्णिमा (रासोत्सवः) ।
१५	मंगल	7	इष्टिः । कार्तिक स्नानारम्भः ।

वल्लभाब्द ५४८			कार्तिक (गु. आश्विन) कृष्णपक्ष: विक्रमाब्द २०८२
तिथि	वार	दि.	उत्सव
२	बुध	8	
३	गुरु	9	
४	शुक्र	10	
५	शनि	11	
६	रवि	12	
७	सोम	13	
८	मंगल	14	
९	बुध	15	
१०	गुरु	16	टिकेत के शृंगार आरंभ।
११	शुक्र	17	रमा एकादशी व्रतम्। अन्नकूट की बड़ी सेवा।
१२	शनि	18	श्रीवत्स द्वादशी – वाघ बारस।
१३	रवि	19	धनतेरस।
१४	सोम	20	रूप चतुर्दशी (अभ्यंग), दीपावली (दीपोत्सव), हटड़ी (गोकर्ण जागरणम्) कान जगाई।
३०	मंगल	21	अन्नकूटोत्सव। गोवर्धन पूजा।

वल्लभाब्द ५४८			कार्तिक शुक्लपक्ष: विक्रमाब्द २०८२
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	बुध	22	इष्टि: । गुर्जराणां २०८२ वर्षारम्भ: ।
२	गुरु	23	यम द्वितीया (भाईदूज) ।
३	शुक्र	24	
४	शनि	25	
५	रवि	26	लाभ पांचम ।
६	सोम	27	
६	मंगल	28	
७	बुध	29	
८	गुरु	30	गोपाष्टमी ।
९	शुक्र	31	अक्षय नवमी । कृतयुगादि । कूष्माण्डदानम् ।
१०	शनि	1	नवम्बर ।
११	रवि	2	प्रबोधिनी एकादशी व्रतम् देवोत्थापनं सायं संध्या में । श्रीगुसांईजी के 1लालजी श्रीगिरधरजी को उत्सव (१५९७) तथा 5लालजी श्रीरघुनाथजी को उत्सव (१६११) द्वादशी को क्षय होयवे सूं आज ।
१३	सोम	3	
१४	मंगल	4	
१५	बुध	5	चातुर्मास्य तथा कार्तिक के नियम की समाप्ति: ।

वल्लभाब्द ५४८			मार्गशीर्ष (गु. कार्तिक) कृष्णपक्षः विक्रमाब्द २०८२
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	गुरु	6	इष्टिः। व्रतचर्या अथवा गोपमासारम्भः।
२	शुक्र	7	
३	शनि	8	
५	रवि	9	
६	सोम	10	
७	मंगल	11	
८	बुध	12	श्रीगुसांईजी के 2लालजी श्रीगोविन्दरायजी को उत्सव (१५९९)।
९	गुरु	13	
१०	शुक्र	14	घटा को आरम्भ (हरिघटा)। श्रीउत्तमश्लोकजी महाराजको उत्सव।
११	शनि	15	उत्पत्ति एकादशी व्रतम्।
१२	रवि	16	
१३	सोम	17	श्रीगुसांईजी के 7लालजी श्रीघनश्यामजी को उत्सव (१६२८)।
१३	मंगल	18	
१४	बुध	19	
३०	गुरु	20	श्यामघटा।

वल्लभाब्द ५४८			मार्गशीर्ष शुक्लपक्षः विक्रमाब्द २०८२
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शुक्र	21	इष्टिः।
२	शनि	22	दूज को चन्दा (चन्द्र घटा)।
३	रवि	23	
४	सोम	24	
५	मंगल	25	स.नि.श्रीमदनमोहनजी को पाटोत्सव। श्रीजीवनजी महाराज को उत्सव।
६	बुध	26	श्रीजीवनजी महाराज गादी बिराजे।
७	गुरु	27	श्रीगुसांईजी के 4लालजी श्रीगोकुलनाथजी को उत्सव(१६०८)।
८	शुक्र	28	
९	शनि	29	श्रीगुसांईजी के उत्सव की बधाई बैठे। लाल घटा।
१०	रवि	30	
११	सोम	1	दिसम्बर। मोक्षदा एकादशी व्रतम्। श्रीमद्भगवद्गीता जयंती (गीता पारायण)।
१२	मंगल	2	
१३	बुध	3	
१४	गुरु	4	श्रीश्रीनाथजी के नेम को छप्पन भोग। बलदेवजी को उत्सव। गोपमास की समाप्ति। पूर्णिमा को क्षय होयवे सूं आज।

वल्लभाब्द ५४८			पौष (गु. मार्गशीर्ष) कृष्णपक्षः विक्रमाब्द २०८२
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शुक्र	5	इष्टिः ।
२	शनि	6	
३	रवि	7	
४	सोम	8	
५	मंगल	9	
६	बुध	10	श्रीनीरजकुमारजी महाराजश्री को जन्मदिन । (गुलाबी घटा)
७	गुरु	11	श्रीगुसांईजी के ज्येष्ठ पौत्र श्रीगोविन्दजी के पुत्र श्रीकल्याणरायजी को उत्सव (१६२५) ।
८	शुक्र	12	
९	शनि	13	प्रभुचरण श्रीविट्ठलनाथजी श्रीगुसांईजी को उत्सव (१५७२) ।
१०	रवि	14	
११	सोम	15	सफला एकादशी व्रतम् । फल अवश्य भोग धरनो, फलन के दान अवश्य करनो । धनुर्मासारम्भः ।
१२	मंगल	16	
१३	बुध	17	
१४	गुरु	18	
३०	शुक्र	19	

वल्लभाब्द ५४८			पौष शुक्लपक्ष: विक्रमाब्द २०८२
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	शनि	20	इष्टि: ।
१	रवि	21	
२	सोम	22	
३	मंगल	23	
४	बुध	24	
५	गुरु	25	
६	शुक्र	26	
७	शनि	27	
८	रवि	28	
९	सोम	29	
१०	मंगल	30	श्रीकल्याणरायजी महाराज तात उत्सव ।
१२	बुध	31	पुत्रदा एकादशी व्रतम् ।
१३	गुरु	1	जनवरी, सन् २०२६ का प्रारम्भ: ।
१४	शुक्र	2	
१५	शनि	3	माघ स्नानारम्भ: । इष्टि: ।

वल्लभाब्द ५४८			माघ (गु. पौष) कृष्णपक्ष: विक्रमाब्द २०८२
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	रवि	4	
२	सोम	5	
३	मंगल	6	
५	बुध	7	
६	गुरु	8	
७	शुक्र	9	पीली घटा।
७	शनि	10	
८	रवि	11	
९	सोम	12	
१०	मंगल	13	भोगी संक्रांति।
११	बुध	14	षट्तिला एकादशी व्रतम्। मकर संक्रान्ति:। तिलवा उत्थापन अथवा भोग में ता पाछे दान श्राद्धादि करने। अबके यह संक्रांति आज दिन के ३ बजके ७ मिनिट पर बैठे है। तासूं पुण्यकाल आज दिन के ३ बजके ७ मिनिट सूं लेके सूर्यास्त पर्यन्त है। तामे भी संक्रांति के पास के 2 घण्टा अति मुख्य पुण्यकाल है। उत्तरायण। धनुर्मास की समाप्ति।
१२	गुरु	15	
१३	शुक्र	16	
१४	शनि	17	
३०	रवि	18	

वल्लभाब्द ५४८			माघ शुक्लपक्ष: विक्रमाब्द २०८२
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	सोम	19	इष्टि: |
२	मंगल	20	
३	बुध	21	
४	गुरु	22	ष.नि.श्रीमुकुन्दरायजी को पाटोत्सव: |
५	शुक्र	23	बसंत पंचमी |
६	शनि	24	
७	रवि	25	
८	सोम	26	
९	मंगल	27	
१०	बुध	28	
११	गुरु	29	जया एकादशी व्रतम् |
१२	शुक्र	30	
१३	शनि	31	
१५	रवि	1	फरवरी, माघ स्नान की समाप्ति: | होरी डाँडो दण्डारोपणं, आज सूर्यास्तान्तरम् सायं ६ बजके १८ मिनिट पश्चात्, याही समय धमार को आरम्भ, रोपणी को उत्सव |

वल्लभाब्द ५४८			फाल्गुन (गु. माघ) कृष्णपक्ष: विक्रमाब्द २०८२
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	सोम	2	इष्टि: ।
२	मंगल	3	
३	बुध	4	
४	गुरु	5	
५	शुक्र	6	
६	शनि	7	
७	रवि	8	श्रीश्रीनाथजी को पाटोत्सव: ।
८	सोम	9	
८	मंगल	10	
९	बुध	11	
१०	गुरु	12	
११	शुक्र	13	विजया एकादशी व्रतम् ।
१२	शनि	14	
१३	रवि	15	महाशिवरात्री । प्रभु या दिन वाघम्बर धरें ।
१४	सोम	16	
३०	मंगल	17	

वल्लभाब्द ५४८			फाल्गुन शुक्लपक्षः विक्रमाब्द २०८२
तिथि	वार	दि.	उत्सव
१	बुध	18	इष्टिः ।
२	गुरु	19	
३	शुक्र	20	
४	शनि	21	
५	रवि	22	
६	सोम	23	प्र.नि.श्रीमथुरेशजी को पाटोत्सवः, सप्तमी को क्षय होयवे सूं आज ।
८	मंगल	24	होलिकाष्टकारम्भः ।
९	बुध	25	बगीचा नोम ।
१०	गुरु	26	
११	शुक्र	27	आमलकी (कुंज) एकादशी व्रतम् ।
१२	शनि	28	
१३	रवि	1	मार्च । तेरस को बगीचा
१४	सोम	2	होली, होलिका प्रदीपनं १५ मंगल के भद्रा निवृत्ति ५ बजकर २९ मिनिट पश्चात् तथा सूर्योदयात् ६ बजके ५७ मिनिट सूं पूर्व ।
१५	मंगल	3	दोलोत्सव (डोल), धूलिवन्दन (धुरेण्डी), ग्रास्तोदित खग्रास चंद्रग्रहण ताको निर्णय पृष्ट 29-30 पर अंकित है ।

वल्लभाब्द ५४८		चैत्र (गु. फाल्गुन) कृष्णपक्ष:	विक्रमाब्द २०८२
तिथि	**वार**	**दि.**	**उत्सव**
१	बुध	4	इष्टि: । द्वितीया पाट ।
२	गुरु	5	
३	शुक्र	6	
४	शनि	7	
५	रवि	8	
६	सोम	9	
७	मंगल	10	
८	बुध	11	
९	गुरु	12	
१०	शुक्र	13	
१०	शनि	14	
११	रवि	15	पापमोचिनी एकादशी व्रतम् ।
१२	सोम	16	
१३	मंगल	17	
१४	बुध	18	
३० चै.शु. १	गुरु	19	वर्षे हर्ष: प्रकर्ष: स्यात् । इष्टि: । १९ मार्च २०२६, संवत्सरोत्सव प्रातः ६ बजके ५४ मिनिट पश्चात्, प्रतिपदा को क्षय होयवे सूं आज ।

<u>खग्रास चन्द्रग्रहण</u>

संवत् २०८२ शक: १९४७ भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा, रविवार, दिनांक ७-८ सितम्बर सन् २०२५ के दिन खग्रास चन्द्रग्रहण होयगो | नाथद्वारा में या दिन दिनमान ३१ घड़ी ९ पल सूर्योदय स्टे.टा. ६ बजके १९ मिनिट सूर्यास्त ६ बजके ४७ मिनिट पर होयगो | नाथद्वारा में नवीन गणित प्रमाणे ग्रहण का स्पर्श रात्रि के ९ बजके ५७ मिनिट पर मध्य ११ बजके ४२ मिनिट, मोक्ष रात्रि के १ बजके २६ मिनिट पर्वकाल ३ घंटा २९ मिनिट को होयगो | पूर्णिमा, रविवार को दिन के ९ बजके २६ मिनिट सूं ही वेध लगे है | पूर्णिमा, रविवार को दिन के ९ बजके २६ मिनिट पूर्व ही खायो जायगो | रविवार के दिन सायं ६ बजके ४७ मिनिट सूं पूर्व ही जल पीयो जायेगो | बिना जनेऊ के बालक तथा छोटी कन्या, वृद्ध, अशक्त रविवार की सांझ कूं ६ बजके ४७ मिनिट से पूर्व प्रसाद ले सकेंगे | या दिन राजभोग प्रातः ९ बजके पूर्व ही सर जाय तथा उत्थापन या समय पर करवाने की सांझ को ६ बजे तक शयन आरती पर्यंत ही सब सेवा हो जाये या प्रमाणे सेवा को क्रम रखनो ६ बजके अनन्तर अनवसर करवाने | शयन की सखड़ी सब गायन कूं जाय | शयन में सफेदी सब कोरी राखनी, रसोई, बालभोग आदि स्थल तथा पात्रन की शुद्धि ग्रहण में जैसी होती होय, वैसी करनी | सर्वत्र दर्भ धरनो | रात्रि के ९ बजके १५ मिनिट के समय पे श्री..कूं ग्रहण निमित्तक शंखनाद कर जगावने व रीति प्रमाणे सूको मेवा प्रभृति धरनो | या ग्रहण को पर्वकाल ३ घंटा २९ मिनिट होयवे तथा मंगल भोग मोक्ष पश्चात् धरवे सूं ग्रहण लगने सूं पूर्व प्रभु कूं दूधघर को अधकी भोग धरनो भी प्रशस्त है | स्पर्श सूं ४ मिनिट पूर्व दूधघर को भोग उठाय झारी बंटा हूं पट्ट वस्त्र सूं उठावने | स्पर्श समय दर्शन खोलिके जपादिक करने | रात्रि के ११ बजके ४२ मिनिट के पीछे श्री के आगे दान को संकल्प करनो | खिचड़ी को डबरा घृत दक्षिणा सहित प्राय: सर्वत्र दियो जाय है | प्रत्यक्ष अथवा निष्क्रय द्वारा गोदान जहां जैसा हो तो होय तहां वैसो कीयो जाय| मनुष्य भी यथाशक्ति दानादि अवश्य करें | मोक्ष भये पीछे चार पाँच मिनिट ठहरके स्नानादि करने शुरू हो | नवीन जल सूं झारी भरनी | श्री कूं स्नान करवाय के ग्रहण पीछे को अनसखडी भोग तथा मंगल भोग संग ही धरनो | नित्य प्रमाणे राजभोग पर्यन्त की सेवा करनी, अनवसर कर यथाशक्ति ब्राह्मण भोजन, वैष्णव भोजन पूर्वक प्रसाद लेनो |

यह ग्रहण – मेष, वृषभ, कन्या, धनु राशि वारेन कूं शुभ

मिथुन, सिंह, तुला, मकर वारेन कूं मध्यम

कर्क, वृश्चिक, कुम्भ, मीन राशि वारेन कूं अशुभ

जिनको जन्म नक्षत्र पूर्वा भाद्रपद होय उनकूं अधिक अनिष्ट है । जिनकूं ग्रहण अनिष्ट होय उनकूं एक कांस्य के पात्र में तातो पतरो घृत भरिके सुवर्ण को नाग तथा चन्द्र बिम्ब धरिके वा ताते पतरे घृत में मुख देखिके दक्षिणा सहित दान करनो । ताको मन्त्र –

तमोमय महाभीम सोमसूर्य विमर्दन ।
हेमतार प्रदानेन मम शान्ति प्रदो भव ॥१॥
विधुन्तुद नमस्तुभ्यं सिंहिका नन्दनाऽच्युता ।
दानेनानेन नागस्य रक्ष मां वेधजाद् भयात् ॥२॥

स्टे.टा.	**स्पर्श**	**मध्य**	**मोक्ष**	**पर्वकाल**
घन्टा	९	११	१	३
मिनिट	५७	४२	२६	२९

श्राद्धपक्ष को निर्णय आश्विन (गु.भाद्रपद) कृष्ण पक्ष 1, सोमवार से आश्विन शुक्ल पक्ष 1, सोमवार तक - [दिनांक 08.09.2025 से 22.09.2025 तक]			
तिथि	**वार**	**दि.**	**श्राद्ध**
आ.कृ.१	सोम	08.09	प्रतिपदा (एकम्) को श्राद्ध
आ.कृ.२	मंगल	09.09	द्वितीया (दूज) को श्राद्ध
आ.कृ.३	बुध	10.09	तृतीया एवं चतुर्थी (तीज एवं चौथ) को श्राद्ध
आ.कृ.४	गुरु	11.09	पंचमी (पाचम) को श्राद्ध एवं भरणी श्राद्ध
आ.कृ.५	शुक्र	12.09	षष्ठी (छठ) को श्राद्ध
आ.कृ.६	शनि	13.09	सप्तमी (सातम) को श्राद्ध
आ.कृ.८	रवि	14.09	अष्टमी (आठम) को श्राद्ध
आ.कृ.९	सोम	15.09	नवमी (नवम) को श्राद्ध व अविधवा नवमी, व्यतिपात को श्राद्ध
आ.कृ.१०	मंगल	16.09	दशमी (दशम) को श्राद्ध
आ.कृ.११	बुध	17.09	एकादशी (ग्यारस) को श्राद्ध
आ.कृ.१२	गुरु	18.09	द्वादशी (बारस) को श्राद्ध एवं सन्यासीन को श्राद्ध
आ.कृ.१३	शुक्र	19.09	त्रयोदशी (तेरस) को श्राद्ध
आ.कृ.१४	शनि	20.09	चतुर्दशी (चौदस) निमित्तक घायलन को श्राद्ध, जल शस्त्र आदि सूं मरण पायो होय उनके ही या दिन श्राद्ध, मघा श्राद्ध
आ.कृ.३०	रवि	21.09	अमावस तथा सर्वपितृ को श्राद्ध
आ.शु.१	सोम	22.09	मातामह श्राद्ध

विशेष : 1. जाकी मरण तिथि चतुर्दशी अथवा पूर्णिमा होय ताको महालय श्राद्ध अष्टमी, द्वादशी, अमावस्या, व्यतीपात या में सूं कोई भी दिन करनो प्रशस्त है |
2. नवमी सोम कूं व्यतीपात योग होय वे सूं यह दिवस श्राद्धादिक में विशेष प्रशस्त है | कोई भी तिथि को श्राद्ध रहि गयो होय या रही जायवे को सम्भव होय तो ताको श्राद्ध या दिवस करनो |

|| इति श्राद्धपक्ष निर्णय समाप्त ||

श्राद्धपक्ष को संकल्प

ॐ विष्णु:3श्रीमद् भगवतोमहापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रर्वत्तमान स्याद्य ब्रह्मणो द्वितीयपरार्धे श्री श्वेतवाराह कल्पे वैवस्वत मन्वन्तरेऽष्टा विन्शति तम कलियुगे कलि प्रथम चरणे भूर्लोके जम्बूद्वीपे भारतवर्षे आर्यावर्तान्तर्गत ब्रह्मावर्तैक देशे अमुक देशे बौद्धावतारे कालनाम्नि द्वयशीति: अधिक द्विसहस्त्र संख्या के वैक्रमाब्दे शकानुसारेण विश्वावसु नाम्नि दक्षिणायने शरद ऋतौ आश्विन मासे (गुर्जर भाद्रपद मासे) कृष्णपक्षे अमुक तिथौ वासरान्वितायांनक्षत्र, योगे, करणे अमुक राशि स्थिते श्रीसूर्ये, सिंह राशि स्थिते श्रीसूर्ये एकादशीत: कन्या राशि स्थिते श्रीसूर्ये मिथुन राशि स्थिते श्री देवगुरौ शेषेषु ग्रहेषु यथा राशि स्थान स्थिथेषु सत्वेवं ग्रह गुण विशेषण विशिष्टायां शुभ पुण्यतिथौ मम (नाम सम्बन्धोच्चारण) एतेषांयथानाम् गोत्ररूपाणां पुरुष विषये सपत्नीकानांस्त्रीविषये सभर्तृक सपत्न्याम् विधिना महालयापर पक्ष श्राद्धमथवा सकृन्महालया पर पक्ष श्राद्ध सदैव सद्य: करिष्ये |

ग्रस्तोदित खग्रास चन्द्रग्रहण

संवत् २०८२ शक: १९४७ फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा, मंगलवार, दिनांक 3 मार्च सन् २०२६ के दिन नाथद्वारा में ग्रस्तोदित खग्रास चन्द्रग्रहण होयगो | या दिन नाथद्वारा में दिनमान २९ घड़ी १५ पल सूर्योदय स्टे.टा. ६ बजके ५७ मिनिट सूर्यास्त ६ बजके ३७ मिनिट नाथद्वारा में नवीन गणित प्रमाणे ग्रहण का स्पर्श दिन के ३ बजके २० मिनिट पर मध्य सांझ कूं ५ बजके ४ मिनिट, मोक्ष ६ बजके ४७ मिनिट पर्वकाल ३ घंटा २७ मिनिट को होयगो | चंद्रोदय ६ बजके ४२ मिनिट द्रश्य पर्व ४ मिनिट २६ सेकेंड है | १४ सोमवार पिछली रात्रि के ३ बजके ५२ मिनिट सूं वेध लगे है | १४ सोमवार पिछली रात्रि के ३ बजके ५२ मिनिट के पूर्व ही खायो जाएगो | मंगलवार के दिन ६ बजके ५२ मिनिट पूर्व ही जल पीयो जायेगो | बिना जनेऊ के बालक तथा छोटी कन्या, वृद्ध, अशक्त मंगलवार दिन के ९ बजके ५२ मिनिट पूर्व ही प्रसाद ले सकेंगे | या दिन के १२ बजे पर्यंत दोलोत्सव की सब सेवा पहोञ्च लेनी फेरी चालू सेवा राखी दिन के २ बजके ३० मिनिट पूर्व संध्या आरती पर्यंत की सेवा पहोञ्च लेनी विलंब होय तो दूधघर को भोग धरनों | जहां दोल के पश्चात अनवसर होयवे की रीति होय तहाँ श्री..कूं ऐसे समय पे जगावने कि दिन के २ बजके ३० मिनिट के पूर्व संध्या आरती पर्यंत कि सेवा हो जाये |राजभोग की सखड़ी सब गायन कूं जाय | रसोई, बालभोग आदि स्थल तथा पात्रन की शुद्धि ग्रहण में जैसी होती होय, वैसी करनी | सर्वत्र दर्भ धरनो | झारी बंटा हूं पट्ट वस्त्र सूं उठावने | स्पर्श समय दर्शन खोलिके जपादिक करने | खिचड़ी को डबरा घृत दक्षिणा सहित प्राय: सर्वत्र दियो जाय है | प्रत्यक्ष अथवा निष्क्रय द्वारा गोदान जहां जैसा हो तो होय तहां वैसो कीयो जाय| मनुष्य भी यथाशक्ति दानादि अवश्य करें | मोक्ष भये पीछे चार पाँच मिनिट ठहरके स्नानादि करने शुरू हो | नवीन जल सूं झारी भरनी | श्री कूं स्नान करवाय के ग्रहण पीछे को भोग तथा शयन भोग संग ही धरनो | तदन्तर नित्य क्रमानुसार सेवा करनी | यथाशक्ति ब्राह्मण भोजन, वैष्णव भोजन पूर्वक प्रसाद लेनो |

यह ग्रहण – मिथुन, तुला, वृश्चिक, मीन राशि वारेन कूं शुभ

मेष, कर्क, धनु, कुम्भ वारेन कूं मध्यम

वृषभ, कन्या, सिंह, मकर राशि वारेन कूं अशुभ

जिनको जन्म नक्षत्र पूर्वा फाल्गुन होय उनकूं अति अनिष्ट है | जिनकूं ग्रहण अनिष्ट होय उनकूं एक कांस्य के पात्र में तातो पतरो घृत भरिके सुवर्ण को नाग तथा चन्द्र बिम्ब धरिके वा ताते पतरे घृत में मुख देखिके दक्षिणा सहित दान करनो | ताको मन्त्र –

तमोमय महाभीम सोमसूर्य विमर्दन |

हेमतार प्रदानेन मम शान्ति प्रदो भव ||१||

विधुन्तुद नमस्तुभ्यं सिंहिका नन्दनाऽच्युता |

दानेनानेन नागस्य रक्ष मां वेधजाद् भयात् ||२||

विशेष : जिन प्रदेशों में ग्रहण समय के पूर्व चंद्रोदय होगा, वहाँ वेधादि अवश्य पालने चाहिए | जिन प्रदेशों में मोक्ष के उपरान्त सूर्यास्त होगा, वहाँ वेधादि नियम पालने की आवश्यकता नहीं है | यह ग्रहण भारतवर्ष के जिन भू भागों में द्रश्य होगा, वहाँ ग्रहण के नियम पालने चाहिए | विशेष रूप से उन प्रान्तों के द्रश्य गणितानुसारी पंचांग के अनुसार अनुसरण करना चाहिए |

स्टे.टा.	**स्पर्श**	**मध्य**	**मोक्ष**	**पर्वकाल**	**चंद्रोदय**	**द्रश्यपर्व**
घन्टा	३	५	६	३	६	
मिनिट	२०	०४	४७	२७	४२	४ मि. २६ सेकंड

गणितकर्ता- श्रीनाथद्वारा विद्याविभाग

भक्तिसेतु: हवेली (वापी गृह) में बिराजमान जनानान् (बहुजी, बेटीजी) के उत्सव व जन्मदिन की यादी:-

चैत्र शुक्ल ९ :: अ.सौ.गो.श्रीश्रुतिरूपा बहुजी नीरजकुमारजी(बहुजी सरकार) को जन्मदिन।

श्रावण शुक्ल ७ :: चि.कु.श्रीश्रावणी बेटीजी गोविन्दरायजी (तारिका राजा) को जन्मदिन।

श्रावण शुक्ल ११ :: अ.सौ.गो.श्रीरानी बहुजी गोविन्दरायजी (नीलाक्षी बहुजी) को जन्मदिन।

भाद्रपद शुक्ल ११ :: चि.कु.श्रीसुद्विजा बेटीजी गोविन्दरायजी (जनिका राजा) को जन्मदिन।

कार्तिक शुक्ल ३ :: चि.कु.श्रीकमलाक्षी बेटीजी गोविन्दरायजी (यूथिका राजा) को जन्मदिन।

कार्तिक शुक्ल ८ :: नि.ली.गो.श्रीपूर्णिमा बहुजी माधवरायजी महाराज (अम्माजी) को उत्सव।

पौष कृष्ण ९ :: अ.सौ.गो.श्रीलाडीली बहुजी मन्मथरायजी (शिखा बहुजी) को जन्मदिन।

चैत्र कृष्ण ११ :: अ.सौ.पू.श्रीगीता बेटीजी माधवरायजी (बुआजी) को जन्मदिन।

...follow us...
॥भक्तिसेतुः॥
वापी
http://
WWW.BHAKTISETUHAVELI.ORG
SHRIGOVINDRAIJI
BHAKTISETU HAVELI
GOVINDRAIJI007
BHAKTISETU

<table>
<tr><th colspan="2"><u>Contact Numbers :: संपर्क</u></th></tr>
<tr><td>1. भक्तिसेतु: अधिकारीजी-
विनुभाई वाछाणी</td><td>+91 99740 87613
+9199788 55928</td></tr>
<tr><td>2. पाठशाला प्रधान अध्यापिका
अ.सौ.श्रीरानीबहुजी गोविन्दरायजी</td><td>+91 97141 07906</td></tr>
<tr><td>❖ अध्यापिका हैदराबाद
अरुणाबेन डागा</td><td>+91 79817 38258</td></tr>
<tr><td>❖ अध्यापिका सिकन्दराबाद
दक्षाबेन पटेल</td><td>+91 94413 33939</td></tr>
<tr><td>❖ अध्यापिका वापी
पूनमबेन गांधी</td><td>+91 70469 17662</td></tr>
<tr><td>3. Volunteer drive भक्तिसेतु:
डॉ.हरीशभाई ओझा</td><td>+91 80966 36007</td></tr>
<tr><td>4. V.A.P.I. Study Class
गीताबेन महेता</td><td>+91 95745 50822</td></tr>
<tr><td>5. पू. जेजेश्री की पधरामनी / ऑफ़्लाइन
ऑनलाइन वचनामृत के लिए –
कमलभाई जुठाणी</td><td>+91 97129 77509 /
+91 93770 11145</td></tr>
<tr><td>6. भक्तिसेतु: गौशाला – बाबुभाई मोरी
(पुरुषोत्तमदास मोरी)</td><td>+91 98251 17509</td></tr>
</table>

॥ विजयते श्रीबालकृष्ण—बलभद्र प्रभुः ॥

माधव भूवन

(VAPI VAISHNAV SAMAJ)

Janki Society, Opp. Ramleela Maidan,
Shrimad Gokul, Tal. Mahavan, Dist. Mathura (UP)

संपर्क :- **लालजीभाई त्राम्बडिया -** **+91 98251 88598**

बाबुभाई मोरी (पुरुषोत्तमदास मोरी) **+91 98251 17509**

||श्रीकृष्णायनमः||
|| त्वं जय सततं श्रीगोवर्धनधर पालय निजदासान् ||
तैलंगकुल तिलक जगद्गुरुः महाप्रभुः श्रीमद्वल्लभाचार्यचरण
||श्रीवल्लभाचार्य मठ||
PRESIDING ACHAARYA
शुद्धाद्वैत पुष्टिभक्तिमार्गीय वैष्णवाचार्य
गोस्वामि श्रीगोविन्दरायजी महोदयश्री
CENTRE FOR:-
"VALLABH-MISSION",
BAALBODHINI PAATHSHALA
(HYD-SEC'bad)
OFFICE VITTHALESHACHAARYA TRUST
FLAT NO.204, 'ARIHANT-SULABH'
APARTMENT, VEER SAWARKAR MARG,
KACHIGUDA 500027,
HYDERABAD - TELANGANA.
PUJYA JEJESHRI :: +91 99090 13321
DR. HARISH OJHA :: +91 80966 36007

卐 विजयते श्रीबालकृष्ण प्रभुः
विजयते श्रीबलभद्र प्रभुः

श्रीवल्लभाधीशो जयति
श्रीविट्ठलेशो जयति 卐

卐|भक्तिसेतुः|卐

भक्तिसेतुः हवेली में श्रीप्रभुः के दर्शन का समय :-

शंखनाद प्रातः	06:45am
मंगला	07:30
शृंगार	10:00
राजभोग	11:30
अनवसर	12:00 से 04:30
उत्थापन सायं	04:30pm
भोग/संध्यार्ती	05:30
शयन	07:00
ताला-मंगल	08:00

यह समय का क्रम नित्य की सेवा का है, उत्सवों में सेवा के सभी क्रमों का समय अनिश्चित रहेगा।

卐 शीतकालीन उत्सव, वर्षोत्सव, महामहोत्सव तथा धरके जन्मदिन आदि में दर्शन के क्रम व समय पू.महाराजश्री की आज्ञा से रहते हैं।

卐 भक्तिसेतुः पाठशाला में नित्य सत्संग तथा वचनामृत का समय सायं 5 से 7pm बजे का रहेता है।

卐 बालबोधिनी पाठशाला का क्रम शनिवार का होने से उस दिन का सत्संग क्रम श्रीमहाप्रभुजी 'गादीजी' में रहेता है।

卐 पू.आचार्य बालकों के चरणस्पर्श का समय नित्य शयन दर्शन के बाद सायं 7 से 8pm का रहेता है।

विशेष सूचना :- वैष्णवों को हवेली में श्रीप्रभुः के दर्शन का क्रम आचार्यों द्वारा की गई कृपाजन्य व्यवस्था मात्र है, आगंतुक किसीभी व्यक्ति-विशेष का अधिकार नहीं ! मन्दिर प्रांगण में प्रवेश-निषेध के सभी अधिकार बिराजमान आचार्यों के संरक्षण में स्थित हैं।

Note:- Darshan in BhaktiSetu: Haveli is an obligatory priviledge by the Achaaryas to the vaishnav society and not the Right. Residing Achaaryas strictly hold the Right of Admission in the Temple premises.

जगद्गुरु:महाप्रभु:श्रीमद्वल्लभाचार्य वंशावतंस गौ-ब्राम्हण प्रतिपाल वापीनरेश गोस्वामि १०८ श्रीनीरजकुमारजी माधवरायजी महाराज (सरकारश्री)

भक्तिसेतु: - वापी / मोटा मंदिर – मुम्बई

जन्मदिन : व्रज पौष कृष्ण ६

तारीख : 12/12/1957

श्रीगोकुलनाथजी के वचनामृत / तीज-तेरस एक, पंचमी-पूनम एक, चतुर्दशी-अमावस्या वर्जित|

पौ.	मा.	फा.	चै.	वै.	ज्ये.	आ.	श्रा.	भा.	आ.	का.	मृ.	महिना तिथिन के फल
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	बहोत सुख होय, क्लेश न होय, अर्थ पूर्ण होय
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	महाभारत होय, अशुभ, जीवनाश होय
३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	अर्थपूर्ण होय, कामनापूर्ण होय
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	क्लेश होय, जीव नाश होय, कुशल सूं घर नहीं आवे
५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	वस्तु लाभ होय, मित्र मिले, व्याधि मिटे
६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	महाचिन्ता होय, वियोग कदाचित् घर आवे
७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	सौभाग्य पावे, रत्न सहित भलीभांति सूं घर आवे
८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	मिलवो न होय, बहुत बुरो होय, जीवनाश होय
९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	आशा पूर्ण होय, सौभाग्य पावे, कामना सिद्ध होय
१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	सौभाग्य पावे, दिन बहुत लगे, कुशल सूं घर आवे
११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	क्लेश होय, जीवनाश नहीं, सौभाग्य पावे नहीं
१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	मार्ग में सिद्धि, मित्र मिले,विघ्न मिटे,धन को लाभ होय

विशेष:- श्रीगोकुलनाथजी के वचनामृत तालिका की तिथिन कूं व्रजमास की गणना प्रमाण देखनी|

गणितकर्ता- श्रीनाथद्वारा विद्याविभाग